

5

DEC/2018



[This question paper contains 7 printed pages]

Your Roll No. :

Sl. No. of Q. Paper : **7091** **IC**

Unique Paper Code : **62134309**

Name of the Course : **B.A. (Prog.)**
Sanskrit Discipline
(CBCS) : DSC - I

Name of the Paper : **Sanskrit Drama**

Semester : **III**

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 75**

Instructions for Candidates :

छात्रों के लिए निर्देश :

- (a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

- (b) Answer may be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**; but same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न पत्र का उत्तर संस्कृत या अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही भाषा में होना चाहिए।

P.T.O.

(c) Answer **all** questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. Translate any **two** verses from Part 'A' and Part 'B' each :

4+4+4+4=16

खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब' प्रत्येक में से किन्हीं दो-दो पद्यों का अनुवाद कीजिए :

Part - A

खण्ड - अ

- (i) अमी वेदिं परितः क्लृप्तधिष्ण्याः
समिद्धन्तः प्रान्तसंस्तीर्णदर्भाः।
अपघ्नन्तो दुरितं हव्यगन्धै-
वैतानतास्त्वां बहूणयः पावयन्तु ॥
- (ii) क्षौमं केनचिदिन्दुपाण्डु तरुणा माङ्गल्यमाविष्कृतं
निष्टयूतश्चरणोपभोगसुलभो लाक्षारसः केनचित्।
अन्येभ्यो वनदेवताकरतलैरापर्वभागोत्थितै -
र्दत्तान्याभरणानि तत्किसलयोद्भेदप्रतिद्वन्दिभिः ॥
- (iii) उद्गलितदर्भकवला मृगयः परित्यक्तनर्तना मयूराः।
अपसृतपाण्डुपत्रा मुञ्चन्त्यश्रूणीव लताः ॥

(iv) विचिन्तयन्ती यमनन्यमानसा तपोधनं वेत्सि न
मामुपस्थितम्।

स्मरिष्यति त्वां न स बोधितोऽपि सन्कथां प्रमतः प्रथमं
कृतामिव ॥

Part - B

खण्ड - ब

- (a) शुल्के विपणितं राज्यं पुत्रार्थे यदि याच्यते।
तस्य लोभोऽत्र नास्माकं भ्रातृराज्यापहारिणाम् ॥
- (b) इदानीं भूमिपालेन कृतकृत्याः कृताः प्रजाः।
रामाभिधानं मेदिन्यां शशांकमभिषिञ्चता ॥
- (c) मम मातुश्च मातुश्च मध्यस्था त्वां न शोभसे।
गङ्गायमुनयोर्मध्ये कुनदीव प्रवेशिता ॥
- (d) येन प्राणाश्च राज्यं च स्त्रीशुल्कार्थे विसर्जिताः।
इमां दशरथस्य त्वं प्रतिमां किं न पृच्छसे ॥

2. Explain with reference to the context any one from Part- 'A' and Part- 'B' each :

7+7=14

खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब' प्रत्येक में से किसी एक-एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

Part - C

खण्ड - स

(i) अन्तर्हिते शशिनि सैव कुमुद्वती मे दृष्टिं न नन्दयति संस्मरणीयशोभा ।

इष्टप्रवासजनितान्यबलाजनस्य दुःखानि नूनमतिमात्र-
सुदुःसहानि ॥

(ii) अर्थो हि कन्या परकीय एव तामद्य संप्रेष्य परिग्रहीतुः ।
जातो ममायं विशदः प्रकामं प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा ॥

(iii) अतिस्नेहः पापशङ्की ।

Part - D

खण्ड - द

(i) सर्वशोभनीयं सुरूपं नाम ॥

(ii) अल्पं तुल्यशीलानि द्वन्द्वानि सृज्यन्ते ।

(iii) आरब्धे पटहे स्थिते गुरुजने भद्रासने लङ्घिते

स्कन्धोच्चारणनम्यमानवदनप्रच्योतितोये घटे ।

राज्ञाहूय विसर्जिते मयि जनो धैर्येण मे विस्मितः

स्वः पुत्रः कुरुते पितुर्यदि वचः कस्तत्र भोः! विस्मयः ॥

3. Write grammatical notes in any **five** of the underlined words in Question. No. 1 (A) and 1 (B). 5

प्रश्न संख्या 1 के खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब' के रेखांकित पदों में से किन्हीं पाँच पर व्याकरणात्मक टिप्पणियाँ लिखिए ।

4. Write short notes on any **two** of the following :

2×6=12

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

प्रस्तावना, नायक, विदूषक, नान्दी

5. (i) Describe the importance of Hospitality in modern context according to Abhigyanashakuntalam. 8

अभिज्ञानशाकुन्तलम् के अनुसार अतिथिसत्कार का आधुनिक संदर्भ में महत्त्व बतलाइये ।

OR

अथवा

Examine the statement 'Kalidas is a nature loving poet'.

'कालिदास प्रकृति-प्रिय कवि हैं। इस कथन की समीक्षा कीजिए।

- (ii) Write a brief account of the life and works of Bhasa.

8

भास के व्यक्तित्व और कर्तृत्व का संक्षिप्त विवरण लिखिए।

OR

अथवा

Describe the importance of love among the brothers' in modern context.

प्रतिमानाटक के अनुसार भ्रातृप्रेम का आधुनिक संदर्भ में महत्त्व बतलाइये।

6. Describe the main features of the Sanskrit Drama.

12

संस्कृत नाटकों की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

OR

अथवा

Write short notes on any **three** of the following :

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

शूद्रक, हर्ष, भवभूति, कालीदास